

HÜSEYNÎ ŞARKI

(Notacı, Hacı)
EMİN EFENDİ

Düyek

Yok - du . gö . nül. -- de --- bir -- za --- man -- (-- SAZ --)

Aşk u mu hab -- bet --- den -- ni --- şân --- (-SAZ)

Ak sey li - yor - sev --- dâ --- yı -- aşk ---

şân --- (-- SAZ) Â -- yi ne - i --- dil ---

- den - he - - mân -- (-SAZ -) mân -- (-SAZ -) aşk ---

Aranağmesi---

KARAR

Yokdu gönülde bir zamân
Aşk u muhabbetden nişân
Âyîne - i dilden hemân
Akseyliyor sevdâ - yı aşk